NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 5

Chapter Name : धर्म की आड़

Q1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक -दो पंक्तियों में दीजिए-

1. आज धर्म के नाम पर क्या-क्या हो रहा हैं?

2. धर्म के व्यापार को रोकने के लिए क्या उद्योग होने चाहिए?

3. लेखक के अनुसार स्वाधीनता आन्दोलन का कौन सा दिन सबसे बुरा था?

4. साधारण से साधारण आदमी तक के दिल में क्या बात अच्छी तरह घर कर बैठी हैं?

5. धर्म के स्पष्ट चिन्ह क्या हैं?

Answer. 1. आज देश में धूम है तो धर्म की। धर्म के नाम पर उत्पाद किए जाते है, ज़िद करी जाती है। यहाँ तक की अपने धर्म के नाम पर लोग जान लेने को और देने को भी तैयार रहते है।

2 . आज हर जगह जो धर्म के नाम पर व्यवसाय हो रहा है इसे रोका जा सकता है विश्वास से जो अडिंग हो । तथा विरोधियों के खिलाफ हिम्मत से काम लेने से। हमें अपनी बुद्धि का प्रयोग करना चाहिए।

3 . जिस दिन स्वाधीनता के क्षेत्र में खिलाफत मुल्ला, मौलवियों और धर्माचारियों को स्थान किया जाना जरूरी हुआ था। जिससे हमने स्वाधीनता से एक कदम पीछे रखा और अंजाम अच्छा नहीं रहा। वही दिन लेखक के अनुसार स्वाधीनता आन्दोलन का बुरा दिन था।

4 . आज के युग में साधारण आदमी भी उबल पड़ता है। सबके मन में यह बात घर कर गई है कि धर्म की रक्षा के लिए जान लेना और देना कोई बड़ी बात नहीं है।

5 . लेखक के अनुसार धर्म के दो स्पष्ट चिन्ह है: शुद्ध आचरण और सदाचार धर्म है।इसके अलावा बाकी

सब दिखावा और फरेब है।

Page : 52 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक -दो पंक्तियों में दीजिए-

Q1 निम्नलिखित प्रश्नों के (25-30 शब्दों में) उत्तर दीजिए-

1. चलते - पुर्जे लोग धर्म के नाम पर क्या करते है?

2. चालाक लोग साधारण आदमी कि किस अवस्था का लाभ उठाते हैं?

3. आनेवाला समय किस प्रकार के धर्म को नहीं टिकने देगा?

4. कौन-सा कार्य देश की स्वाधीनता के विरूद्ध समझा जाएगा?

5. पाश्चात्य देशों में धनी और निर्धन लोगों में क्या अंतर हैं?

6. कौन से लोग धार्मिक लोगों से अधिक अच्छे हैं?

Answer. 1 . चलते - पुर्जे लोग धर्म के नाम पर लोगों को मूर्ख बनाते है, और वो अपना मतलब पूरा करते है, यही अपना स्वार्थ सिद्ध करते हैं, लोगों की शक्तियों व उनके उत्साह का गलत इस्तेमाल करते हैं। वे इन जाहिलों के दम और

2 . चालाक लोग एक साधारण आदमी की धर्म के प्रति निष्ठा और अज्ञानता का बड़ा लाभ उठाते है। उनके बहकावे में जा जाते हैं। और चालाक आदमी उसे जिधर चाहे उधर मोड़ सकता है। और अपना मतलब निकाल लेता है, और साथ ही उन पर अपना हक जमाने लगता है। साधारण आदमी की अज्ञानता का लाभ उठाकर उनकी शक्तियों और उत्साहों का शोषण करते हैं।

3 . नमाज़ पढ़ना, शंख बजाना, नाक दबाना यह धर्म नहीं है, अच्छा शुद्ध आचरण और सदाचार धर्म के लक्षण हैं। पूजा के नाम पर अंधविश्वास और ढोंग का नाटक आगे नहीं टिक पायेगा। इस प्रकार की पूजा तो भगवान को घूस देने जैसी होती हैं। दूसरों को दुःख देना गलत कार्य करना धोखा देना धर्म नहीं हैं। इस लिए आगे से कोई गलत और भ्रष्ट नेता लोगों की धार्मिक भावनाओं से नहीं खेल सकता । आने वाला

समय दिखावे वाले धर्म को नहीं टिकने देगा।

4 . हमारा देश पूर्णतः आज़ाद और स्वाधीन है, हमारे देश में सभी को अपने-अपने धर्म को अपने ढंग से मनाने की पूरी आजादी है, स्वतंत्रता है। यदि कोई भी इसमें बाधा उत्पन्न करता है, या धर्म की आड़ में अपना उल्लू सीधा करता है, तो वह कार्य देश की स्वाधीनता के विरूद्ध समझा जाएगा।

5 . पाश्यात्य देशों में धनी और निर्धन लोगों के बीच गहरी खाई के समान अंतर होता हैं, वहां अमीर धनी लोग गरीबों का खून चूसना चाहते हैं। ग़रीबों से पूरा काम लेकर ही धनी लोग धनी बने हैं, धन का लालच देकर उन्हें अपने वश में करके। उनसे मन-माने तरीके से अपना काम करवाते हैं। अमीरों के पास सारी सुविधाएँ होती हैं, परंतु गरीब को कड़ी मेहनत करने के बाद भी झोपड़ी में अपना जीवन यापन करना पड़ता है। इसी से साम्यवाद का जन्म हुआ।

6 . जो लोग खुद को धार्मिक कहते है।, पर उनका आचरण, व्यवहार अच्छा नहीं है। उन लोगों से वे लोग अच्छे है, जो नास्तिक हैं, धर्म को बहुत जटिलता स नहीं मानते पर आचरण और उनका व्यवहार बहुत अच्छे है। दूसरों के सुख-दुख का ध्यान रखते हैं, उनकी मदद करते है, और अपना मतलब या स्वार्थ सिद्ध करने के लिए सीधे सज्जन या अज्ञान या अज्ञान लोगों को मूर्ख नहीं बनाते हैं।

Page : 52 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के (25-30 शब्दों में) उत्तर दीजिए-

Q2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए :-

1. धर्म और ईमान के नाम पर किए जाने वाले भीषण व्यापार को कैसा रोका जा सकता हैं?

2. 'बुद्धि पर मार' के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं?

3. लेखक की दृष्टि में धर्म की भावना कैसी होनी चाहिए?

4. महात्मा गांधी के धर्म-संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए?

5. सबके कल्याण हेतु अपने आचरण को सुधारना क्यों आवश्यक हैं?

Answer. 1 . चालाक लोग धर्म और ईमान के नाम पर साधारण लोगों को बहला-फुसला कर उनका

शोषण कर अपना स्वार्थ सिद्ध करते हैं। वे धर्म के नाम पर दंगे फसाद लोगों को एक दूसरे से लड़वाना, झगड़े हिंसा फैलाना और लोगों की शक्ति का दुरुपयोग करना कई सारे अमानवीय कार्य करते हैं। धर्म की आड़ में बिज़नेस व्यापार चल रहा हैं। और इसे रोकना अति आवश्यक है, इसके लिए लोगों को धर्म, अर्थ, तत्वों को सही तरह से करके साहस और दृढ़ता से धर्म गुरूओं की पोल खोलनी चाहिए।

2 . 'बुद्धि पर मार' का तात्पर्य ये हैं कि लोगों की बुद्धि में ऐसे विचार डालना जिससे वे गुमराह हो जाए। इससे उनके सोचने-समझने की शक्ति नष्ट हो जाए। लेखक का विचार है, कि विदेश में धन की हानि। तो भारत में बुद्धि की मार। यहां लोगों की बुद्धि को भ्रमित किया जाता है। जो स्थान भगवान और आत्मा का है, वह अपने लिए बना लिया जाता है। फिर इन्ही नामों अर्थात् धर्म, इमान, आत्मा के नाम पर अपने स्वार्थ की सिद्वि के कारण सामान्य लोगों को आपस में लड़ाया जाता है।

3 . हमारा देश एक स्वाधीन देश है। इसमें सब अपने-अपने धर्म को अपने ढंग से मनाने की पूरी स्वतंत्रता होती हैं। उसके अनुसार शंख, घंटा बजाना, जोर-जोर से नमाज़ पढ़ना ही केवल धर्म नहीं माना गया है, या धर्म नहीं है। व्यक्ति का शुद्ध आचरण ओर सदाचार धर्म के लक्षण है।

4 . महात्मा गांधी जी अपने जीवन में धर्म को सर्वोच्च स्थान देते थे। धर्म के बिना उनका जीवन व्यर्थ था धर्म के बिना तो वे एक कदम भी चलने को तैयार नहीं थे। वे हमेशा ही अपने धर्म का पालन करते थे। उनके धर्म के रूप को समझना आवश्यक है। धर्म से तात्पर्य-महात्मा गांधी का मतलब, धर्म सर्वोच्च और उदार तत्वों का ही हुआ करता है। परंतु वे धर्म की कट्टरता के विरोधी थे। प्रत्येक मानव का यह कर्तव्य है, कि वह धर्म के स्वरूप को अच्छी प्रकार से समझ लें। और गाँधीजी सत्य और अहिंसा को ही परम धर्म मानते थे।

5 . सबके कल्याण हेतु अपने आचरण में शुद्वता अति आवश्यक है। यदि हम धार्मिक प्रवुति के अर्थात् अपना व्यवहार अच्छा, सदाचार पूर्ण रखेगें तो दूसरों को समझाना भी बड़ा ही आसान हो जायेगा। लोग कल्याण हेतु हमें अपने आचरण को सुधारना इसलिए आवश्यक होता है, क्योंकि जब हम खुद ही बिगड़े

अर्थात् खुद को ही नहीं सुधारेंगे, किसी दूसरे के साथ अपना व्यवहार सही नहीं रखेंगे, तो फिर हम दूसरों से क्या आशा रख सकते है। कि वो हमसे अच्छा व्यवहार करें।

Page : 52 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए :-

Q3 निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिएः

1 उबल पड़ने वाले साधारण आदमी का इसमें केवल इतना ही दोष है कि वह भी नहीं समझता-बुझता, और दूसरे लोग उसे जिधर जोत देते हैं, उधर जुत जाता हैं।

2 यहां है बुद्‌वि पर परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना, और फिर, धर्म, ईमान और ईश्वर के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्‌वि के लिए लोंगों को लड़ाना-भिड़ाना ।

3 अब तो, आपका पूजा-पाठ न देखा जाएगा, आपकी भलमनसाहत की कसौटी केवल आपका आचरण होगी।

4 तुम्हारे मानने से ही मेरा ईश्वरत्व कायम नहीं रहेगा, दया करके, मनुष्यत्व को मानों, पशु बनना छोड़ों और आदमी बनों!

Answer. 1 . साधारण व्यक्ति को भले ही धर्म का ज्ञान हो न हो, वह धर्म के नाम पर हमेशा उबल पड़ता है। उन्हें केवल इतनी समझ है धर्म आवश्यक है और हमें उसकी रक्षा के लिए जान भी देनी चाहिए। और आज के युग में इसी बात का फायदा कुछ लोग उठाते है।

2 . भारत देश में धर्म के नाम पर कुछ लोग साधारण जनता को भ्रमित करते है। जिस जगह ईश्वर और आत्मा को होना चाहिए, वह लोग ग्रहण कर देते है। यह स्वार्थ सिद्‌व करने के लिए आम लोगों को धर्म का नाम लेकर भिड़वाते है।

3 . इस पंक्ति से लेखक यह बताना चाहता है की आप कितना ही मंदिर-मस्जिद जाए, अनेक पूजा-पाठ, दान-कर्म करे परंतु अगर आपने धर्म के दो चिन्ह शुद्‌ध आचरण एवं सदाचार धर्म को नहीं अपनाया तो

सब व्यर्थ है। क्योंकि अपना स्वार्थ-सिद्व करने और बेईमानी कर दूसरों को तकलीफ़ पहुँचाने की स्वतंत्रता धर्म नहीं प्रदान करता है। इसलिए आने वाले समय में व्यक्ति को उसके आचरण से जाना जाएगा न की पूजा पाठ की महत्वपूर्ण कहा जाएगा।

4 . उपयुक्त पंक्तियों से लेखक यह समझना चाहते है की धर्म के नाम पर हिंसा करने से ईश्वर की प्राप्ति नहीं होगी । बल्कि उनका वजूद तब होगा जब हम मानव धर्म निभाएगें।

Page : 53 , Block Name : निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिएः

Q1 उदाहरण के अनुसार शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए-

(1) सुगम - दुर्गम

(2) धर्म - ....

(3) ईमान - ....

(4) साधारण - ....

(5) स्वार्थ - ....

(6) दुरुपयोग - ....

(7) नियंत्रित - ....

(8) स्वाधीनता - ....

Answer.

(1) सुगम - दुर्गम

(2) धर्म - अधर्म

(3) ईमान - बेईमान

(4) साधारण - असाधारण

(5) स्वार्थ - निःस्वार्थ

(6) दुरुपयोग - सदुपयोग

(7) नियंत्रित - अनियंत्रित

(8) स्वाधीनता - पराधीनता।

Page: 53, Block Name : भाषा अध्ययन

Q2 निम्नलिखित उपसर्गो का प्रयोग करके दो-दो शब्द बनाइये-

ला, बिला, बे, बद, ना, खुश, हर, गैर

Answer.(1) ला - लाजवाब, लाइलाज

(2) बिला - बिलावजह, बिलानागा

(3) बे - बेहिसाब, बेमिसाल

(4) बद - बदनाम, बदतमीज

(5) ना - नालायक, नागवार

(6) खुश - खुश-हाल,खुशनसीब

(7) हर - हरसमय, हरकोई

(8) गैर - गैरकानूनी, गैर जिम्मेदार

Page: 53, Block Name : भाषा अध्ययन

Q3 उदाहरण के अनुसार 'त्व' प्रत्तयय लगाकर पाँच शब्द बनाइये-

उदहारण : देव +त्व=देवत्व

Answer.

(1)अपना +त्व=अपनत्व

(2)पितृ +त्व=पित्र्त्व

(3) उत्तरदायी +त्व=उतरदायित्व

(4)लघु +त्व=लघुत्व

(5)महा +त्व=महत्व

Page: 53, Block Name : भाषा अध्ययन

Q4 निम्नलिखित उदाहरण को पढ़कर पाठ में आए संयुक्त शब्दों को छाँटकर लिखिए-

उदाहरण : चलते-पुरजे

Answer. पढ़ें - लिखें

पूजा - पाठ

लडाना - मिटाना

देश - भर

दिन - भर

सुख - दुख

मन - माना

नित्य - प्रति

Page: 53, Block Name : भाषा अध्ययन

Q5 ‘भी’ का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य बनाइये-

उदाहरण : आज मुझे बाजार होते हुए अस्पताल भी जाना हैं।

Answer. (1) जिंदगी में आज भी संघर्ष बहुत है।

(2) कुछ लोगों पर किसी भी चीज का असर नहीं होता।

(3) कई अंतरों के बाद भी भारत एक है।

(4) सोनू मिलने नहीं गया तो मोनू भी नहीं आया।

(5) आजकल शिक्षा भी व्यवसाय बन गई है।

Page: 53, Block Name : भाषा अध्ययन

Q1 ‘धर्म एकता का माध्यम है’-इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा कीजिए ।

Answer. छात्र स्वयं करें ।

Page: 54 , Block Name : योग्यता विस्तार